www.sgbauonline.com

(ड) फूलों की कढ़ाई याने _____ है।

(कशीदाकारी, फुलकारी, चिकनकारी)

(इ) _____ यह कढाई पेंटिंग समान दिखती है।

(फुलकारी, चंबा रूमाल, काठियावाडी)

5. विस्तार से लिखो :

(अ) महाराष्ट्र की प्रांतीय वेशभूषा। 10

अथवा

(ब) गुजरात की प्रांतीय वेशभूषा। 10

AQ–75

B.A. (Part II) Examination

(Optional Subject)

RURAL HANDICRAFTS

Time—Three Hours] [Maximum Marks—50

Note :— (1) **ALL** questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

(3) Draw figures where necessary.

1. (a) Discuss in detail, the characteristics of motifs used in traditional Indian Textiles. Also discuss the importance of traditiaonal Indian Textiles. 10

OR

(b) Discuss in detail the "Khadi and Village Industries Commission—its objectives and functions". 10

2. Describe :

(a) Types of Kashmiri Shawls 5

(b) Motifs used in and the weave of a Paithani. 5

OR

(c) Himru Shawls 5

(d) Varanasi Brocade. 5

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

3. Write :

(a) Selection of material and dewaxing in Batik printing 5

(b) Types of Tie and Dye. 5

OR

(c) Points to be considered for bandhani printing 5

(d) Classification of dyes. 5

4. Select the correct options : 5×2

(a) Embroidery work on _____ shawls is known as Amil. (Jamawar, Saloo, Pashmina)

(b) _____ stitch, is a running stitch like a ladder. (Negi, Murgi, Khato)

(c) _____ is a type of knotted chikankari. (Murri, Phanda, Negi)

(d) _____ denotes embroidery of flowers. (Kashidakari, Phulkari, Chikankari)

(e) _____ embroidery looks like painting. (Phulkari, Chamba Rumal, Kathiawadi)

5. Write in detail :

(a) Regional costume of Maharashtra. 10

OR

(b) Regional costume of Gujrat. 10

(ब) खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग-उसके उद्देश्य एवं कार्य, इस पर विस्तार से लिखें। 10

2. वर्णन करो :

(अ) काश्मिरी शाल के प्रकार 5

(ब) पैठणी बनाने की विधी और उसपर बने हुए नमूने। 5

अथवा

(क) हिमरू शाल 5

(ड) बनारस ब्रोकेड। 5

3. लिखो :

(अ) बाटीक छपाई प्रक्रिया में कपड़े का चयन तथा मोम निकालने की विधी 5

(ब) बांधणी छपाई के प्रकार।

अथवा

(क) बांधणी छपाई हेतु ध्यान में रखने वाली बातें 5

(ड) रंगों का वर्गीकरण। 5

4. उचित पर्याय चुनो : 5×2

(अ) कश्मीरी शाल की कढ़ाई _____ नाम से प्रसिद्ध है। (जामावार, सालू, पश्मीना)

(ब) _____ टाँका जिगजॅग जानेवाला सीधा टाँका है। (नेगी, मूर्गी, खटाव)

(क) _____ यह गाँठदार चिकनकारी का प्रकार है। (मुरी, नेगी, फंदा)

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(मराठी माध्यम)

सूचना :— (1) सर्व प्रश्न आवश्यक आहेत.

(2) सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

(3) आवश्यक तिथे आकृत्या काढा.

1. (अ) भारतीय परंपरागत वस्त्रांवर आढळणाऱ्या नमुन्यांची वैशिष्ट्ये आणि भारतीय परंपरागत वस्त्रांचे महत्व, यावर विस्तृतपणे चर्चा करा. 10

किंवा

(ब) खादी आणि ग्रामोद्योग आयोग, त्याची उद्दीष्टे आणि कार्ये, याविषयी सविस्तर लिहा. 10

2. वर्णन करा :

(अ) काश्मिरी शालींचे प्रकार 5

(ब) पैठणीची बनावट व त्यावरील नमुने. 5

किंवा

(क) हिमरू शाली 5

(ड) वाराणसी ब्रोकेड. 5

3. लिहा :

(अ) बाटीक छपाई प्रक्रियेतील कापडाची निवड व मेण काढणे 5

(ब) बांधणीचे प्रकार. 5

किंवा

(क) बांधणी छपाई करताना ध्यानात घ्यावयाच्या बाबी 5

(ड) रंगांचे वर्गीकरण. 5

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

4. योग्य पर्याय निवडा : 5×2

(अ) _____ शालीवरील भरतकाम अमील म्हणुन ओळखते जाते. (जामावार, सालू, पश्मीना)

(ब) _____ टाका पायऱ्यांप्रमाणे दिसणारा धावटाका आहे. (नेगी, मूर्गी, खटाव)

(क) _____ हा गाठीच्या चिकनकारीचा प्रकार आहे. (मुरी, नेगी, फंदा)

(ड) फुलांचे भरतकाम म्हणजे _____ होय. (कशीदाकारी, फुलकारी, चिकनकारी)

(इ) _____ ही भरतकला पेंटिंगप्रमाणे दिसते. (फुलकारी, चंबा रूमाल, काठियावाडी)

5. सविस्तर लिहा :

(अ) महाराष्ट्राची प्रांतीय वेशभूषा. 10

किंवा

(ब) गुजरातची प्रांतीय वेशभूषा. 10

(हिन्दी माध्यम)

सूचना :— (1) सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।
(2) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(3) आवश्यक वहाँ चित्र बनाइये।

1. (अ) भारतीय परंपरागत वस्त्रों पर निर्मित नमुनों की विशेषताएं तथा भारतीय परंपरागत वस्त्रों का महत्व, इत्यादि पर विस्तार से लिखें। 10

अथवा

www.sgbauonline.com